भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †443

दिनांक 19 नवम्बर, 2019 के लिए प्रश्न

विषयः मोती उत्पादन को बढ़ावा देना

†443 श्री रमेशभाई एल॰ धडुकः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पोरबंदर में माती उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधन परिषद) और गुजरात राज्य सरकार के सहयोग से कदम उठाए गए हो क्योंकि पोरबंदर में मोती उत्पादन की भारी संभावना है और इससे वहां रोजगार की नई संभावनाएं विकसित हो सकती हो; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(श्री प्रताप चंद्र सांरगी)

(क)तथा (ख) जी हां, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मात्स्यिकी संस्थानों यथा; केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) तथा मीठा पानी जलकृषि केंद्रीय संस्थान (सीआईएफए) तथा पर्ल कल्चर प्रोत्साहन के लिए गुजरात सरकार के साथ सहयोग से कदम उठाए गए हैं। पर्ल कल्चर की संभावनाओं को देखते हुए इस विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही सीएसएस "नीली क्रांतिः मात्स्यिकी का एकीकृत विकास एवं प्रबंधन" के अधीन 'पर्ल कल्चर (समुद्री और अंतर्देशीय)' नामक एक उपघटक शामिल किया गया है तथा पर्लकल्चर के लिए राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। सीएमएफआरआई तथा सीआईएफए भी कृषकों, उद्यमियों तथा अनुसंधानकर्ताओं के लिए पर्ल फार्मिंग के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

*****